



Ashutosh



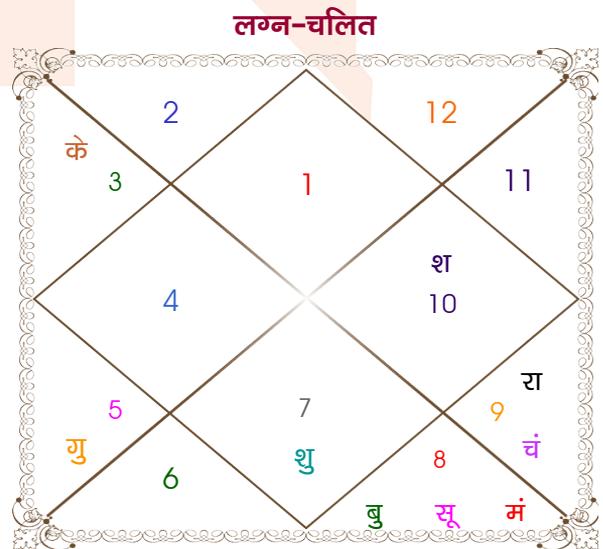
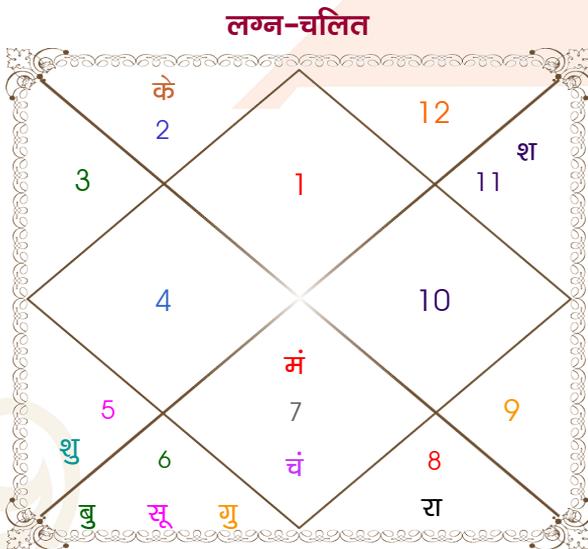
Akanksha

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120995707

पुल्लिंग :	लिंग	: स्त्रीलिंग
18/09/1993 :	जन्म तिथि	: 07/12/1991
शनिवार :	दिन	: शनिवार
घंटे 19:55:00 :	जन्म समय	: 15:31:00 घंटे
घटी 35:22:58 :	जन्म समय(घटी)	: 22:20:44 घटी
India :	देश	: India
Basti :	स्थान	: Lucknow
26:48:00 उत्तर :	अक्षांश	: 26:50:00 उत्तर
82:44:00 पूर्व :	रेखांश	: 80:54:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व :	मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
घंटे 00:00:56 :	स्थानिक संस्कार	: -00:06:24 घंटे
घंटे 00:00:00 :	ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
05:45:48 :	सूर्योदय	: 06:42:06
18:00:15 :	सूर्यास्त	: 17:13:10
23:46:25 :	चित्रपक्षीय अयनांश	: 23:44:56

विंशोत्तरी राहु 17वर्ष 7मा 9दि गुरु 29/04/2011 29/04/2027	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी केतु 4वर्ष 5मा 0दि चन्द्र 08/05/2022 07/05/2032
गुरु	11:57:44	मेष	लग्न	मेष	24:36:10	चन्द्र
शनि	01:54:34	कन्या	सूर्य	वृश्चि	21:02:35	मंगल
बुध	06:57:25	तुला	चंद्र	धनु	04:55:13	राहु
केतु	00:32:07	तुला	मंगल	वृश्चि	12:11:19	गुरु
शुक्र	17:53:31	कन्या	बुध व	वृश्चि	23:55:31	शनि
सूर्य	24:53:48	कन्या	गुरु	सिंह	20:00:39	बुध
चन्द्र	02:34:51	सिंह	शुक्र	तुला	07:32:23	केतु
मंगल	01:06:36	कुंभ व	शनि	मक	09:34:57	शुक्र
राहु	11:48:51	वृश्चि व	राहु व	धनु	16:07:31	सूर्य
	11:48:51	वृष व	केतु व	मिथु	16:07:31	
	24:29:15	धनु व	हर्ष	धनु	18:30:44	
	24:38:21	धनु व	नेप	धनु	21:34:46	
	29:33:10	तुला	प्लूटो	तुला	27:30:03	



अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	क्षत्रिय	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	मानव	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	साधक	प्रत्यारि	3	1.50	--	भाग्य
योनि	महिष	श्वान	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	गुरु	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	राक्षस	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	तुला	धनु	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	22.00		

गोनजवी का वर्ग मृग है तथा ांदी का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।
अष्टकूट मिलान के अनुसार गोनजवी और ांदी का मिलान शुभ है।

मंगलीक दोष मिलान

गोनजवी मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

**कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा ।
न मंगली मंगल राहु योग ।**

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।
क्योंकि मंगल एवं चन्द्र गोनजवी कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

ांदी मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

**तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम् ।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा ।।**

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल ांदी कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

**शनिभौमोऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत् ।
तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत् ।।**

यदि एक की कुंडली में जहां मंगल हो उन्हीं स्थानों पर दूसरे की कुंडली में प्रबल पाप ग्रह (राहु या शनि) हों तो मंगलीक दोष कट जाता है।

क्योंकि राहु गोनजवी कि कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

**त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः ।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत् ।।**

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि गोनजवी कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

गोनजवी तथा गंदी में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।